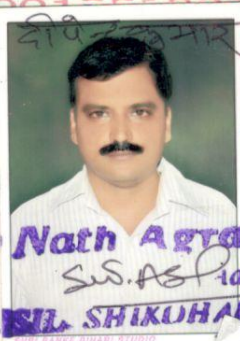


2641



उत्तर प्रदेश UTTA



28 JAN 2016

CK 916734

# न्यास पत्र

मैं कि दीपेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन निवासी 811 मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बड़ा डाकखाना) नगर व तहसील— शिकोहाबाद, जिला— फिरोजाबाद का हूँ। मैं और मेरा परिवार धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में रुचि रखता है और मैं जैन सम्प्रदाय/धर्म का मानने वाला अल्पसंख्यक व्यक्ति/नागरिक हूँ। मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि मैं समाज की उन्नति एवं भलाई के लिये एक ऐसा अल्पसंख्यक न्यास गठित करूँ, जिसके माध्यम से समाज के युवक युवतियाँ अपने नगर शिकोहाबाद में देशभक्ति से परिपूर्ण संस्कार युक्त उच्च तकनीकी एवं रोजगार परक शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ सम्पूर्ण समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा कर सकें। इसके अतिरिक्त समाज हित में जनहितकारी कार्य करने के साथ-साथ समाज के निर्धन, अनाथ एवं दुर्बल वर्ग के असहाय व्याक्तियों तथा विधवाओं, अपंगों एवं निराश्रित व्यक्तियों के कल्याण के लिये भी कार्य कर सकूँ।

अतः मैंने अपनी मन की उक्त भावनाओं एवं विचारों के अनुकूल उनको सारवानरूप देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है कि मैं एक न्यास का गठन करूँ। इस कारण मैं निम्न नाम आदि द्वारा निम्न प्रकार से न्यास का गठन इस न्यास पत्र के माध्यम से कर रहा हूँ और उक्त न्यास के पास वर्तमान में कोई चल या अचल सम्पत्ति नहीं है। उक्त न्यास का गठन किसी भी प्रकार से व्यक्तिगत लाभ के लिये नहीं किया जा रहा और उक्त न्यास को जो भी आय अथवा लाभ प्राप्त होगा, वह केवल न्यास के कार्यो एवं

Deependra Kumar Jain





रजिस्टर का क्रमांक 171 दिनांक 12-02-2016  
रजाम का मूल्य अंकों/शब्दों में 100 रुक सी 40

देता का नाम श्री प्रेम कुमार लीन

पिता/पति का नाम इंदर प्रकाश

पूरा व्यवहार/विवाह का पता

मुख्य पत्र प्रकाश

श्री प्रेम कुमार लीन  
कुल कीमत 750

हरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला० न० ६३-२०१५-४३  
तहसील परिसर, सिद्धाचार, जिला बल्लभगढ़

निका 2 बडा 5/10/2015







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



CK 916735

(2)

न्यास के उद्देश्यों के प्रयोग में लिया जावेगा और किसी भी न्यासी को व्यक्तिगत रूप से लाभान्वित होने का कोई अधिकार न होगा।

- 1- न्यास का नाम- बाल योगी मुनि श्री 108 अमित सागर जी महाराज न्यास शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद (उ०प्र०)
- 2- न्यास का स्थायी पता- 811, मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बड़ा डाकखाना) शिकोहाबाद जिला फिरोजाबाद (उ०प्र०)
- 3- न्यास का कार्यक्षेत्र- सम्पूर्ण भारत वर्ष और न्यास की शाखा भारत वर्ष में किसी भी स्थान पर न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु स्थापित की जा सकेगी।
- 4- न्यास में लगाया गया धन- मु० 10,000/- (दस हजार रुपया)

अतः मैं दीपेन्द्र कुमार जैन उपर्युक्त उक्त नाम व पता से एक अल्पसंख्यक न्यास की स्थापना मु० 10,000/- (दस हजार रुपया) से कर रहा हूँ और उक्त न्यास में मेरे अतिरिक्त निम्न न्यासी होंगे और मैं अपने जीवन भर उक्त न्यास का प्रमुख न्यासी/मेनेजिंग ट्रस्टी रहूंगा। इस प्रकार उक्त वर्णित बाल योगी मुनि श्री 108 अमित सागर जी महाराज न्यास के निम्न नाम व पता के न्यासी हैं व बनाये जाते हैं-

- 1- दीपेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन निवासी 811 मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बड़ा डाकखाना) शिकोहाबाद (प्रमुख न्यासी/मेनेजिंग ट्रस्टी)

पहचानपत्र सं०- UP72/339/435271, Mob. No.- 9412157236

Deependra Kumar Jain

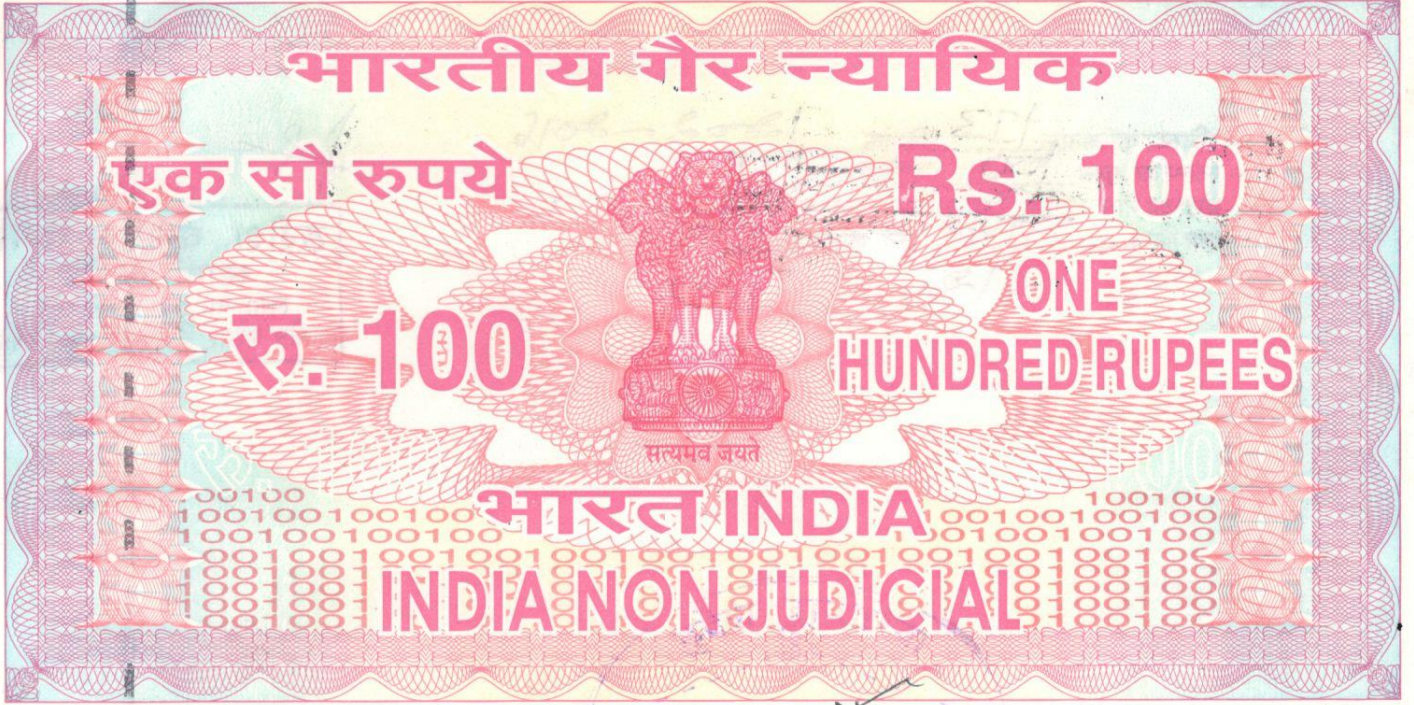




हरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 09-2004-10  
तहसील परिसर, शिकोहबाद (सि.म.बा.)

12 750





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



CK 916736

(3)

- 2- श्रीमती नेहा जैन पत्नी श्री दीपेन्द्र कुमार जैन निवासिनी 811 मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बडा डाकखाना) शिकोहाबाद (न्यासी)  
पहचानपत्र सं०- LMM2763555, Mob. No.- 9927532544
- 3- श्री इन्द्रध्वज जैन पुत्र स्व० श्री कोटिध्वज जैन निवासी 811 मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बडा डाकखाना) शिकोहाबाद (न्यासी)  
पहचानपत्र सं०- UP72/339/435267, Mob. No.- 9058307822
- 4- श्री योगेश कुमार जैन पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन निवासी 811 मौहल्ला मौहम्मद माह (निकट बडा डाकखाना) शिकोहाबाद (न्यासी)  
पहचानपत्र सं०- UP72/339/435269, Mob. No.- 9319741222

उक्त वर्णित मुझ प्रमुख न्यासी एवं अन्य तीन न्यासी के अतिरिक्त अन्य कोई न्यासी वर्तमान में नहीं बनाया जा रहा है और न भविष्य में बनाया जावेगा। उक्त वर्णित प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी के अतिरिक्त तीनों अन्य न्यासी अपनी सहमति एवं स्वीकृति के हस्ताक्षर इस न्यास पत्र के अन्त कर रहे हैं।

#### न्यास के उद्देश्य

- 1- समाज के युवकों एवं युवतियों विशेष रूप से अल्पसंख्यक जैन समाज हेतु राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण संस्कार युक्त उच्च तकनीकी एवं रोजगार परक शिक्षा की व्यवस्था करना।
- 2- मानव कल्याण एवं जनहित में कार्य करना।

Deependra Kumar Jain



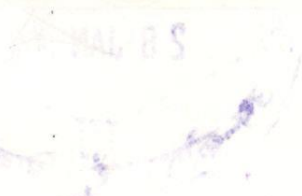


रजिस्टर का क्रमांक 173 दिनांक 12-02-2016  
 स्टाम्प का मूल्य 100 शामिल नम्बर 171  
 देयक का नाम श्री. प्र. कुमार अर्जुन  
 12 750

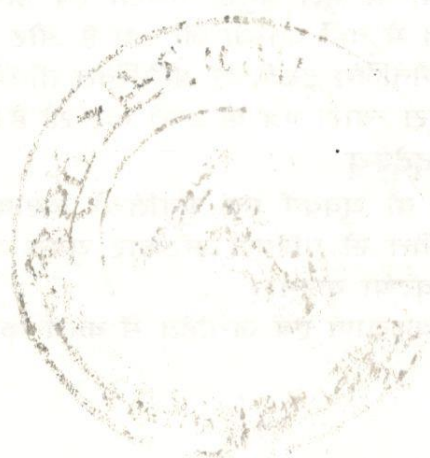
*[Handwritten signature]*

हरीश कुमार वर्मा  
 स्टाम्प विक्रेता  
 ला0 नं० 07-2000-09  
 तहसील परिसर, शिकोहाबाद (कैलासबाद)

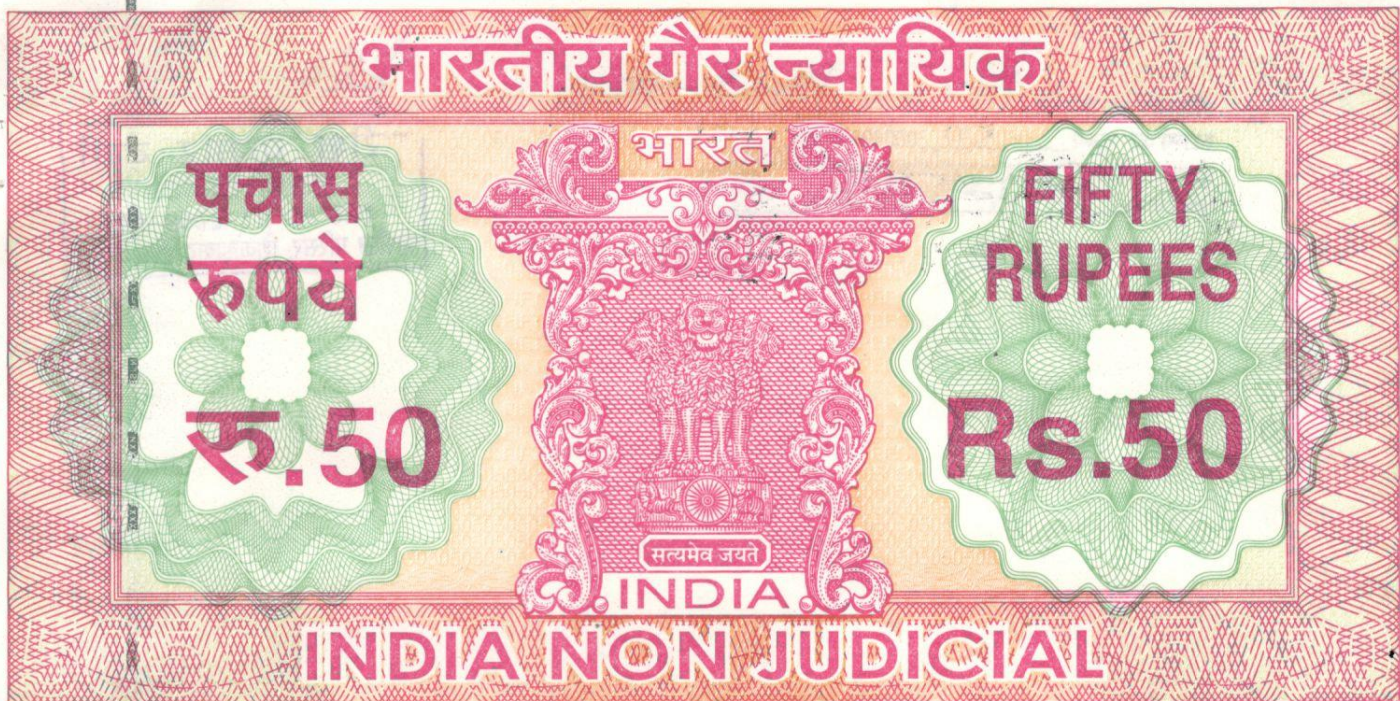
CK 916736



(The following text is extremely faint and mostly illegible, appearing to be a series of lines or a circular stamp impression in the lower half of the document.)







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816121

(4)

- 3- आम जनता में शिक्षा का प्रचार प्रसार करके शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। विद्यालय/उच्च शिक्षा संस्थान/स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालयों को प्रारम्भ करना। इन्जीनियरिंग एवं अन्य तकनीकी शिक्षा संस्थानों को प्रारम्भ करना और उनके माध्यम से आधुनिक शिक्षा पद्धति के आधार पर कम्प्यूटर आदि से शिक्षा देने एवं उनके प्रबन्धन एवं संचालन की भी ट्रेनिंग प्रदान करना।
- 4- न्यास के उद्देश्यों के अनुकूल जैन अल्पसंख्यक समाज के निर्धन, अनाथ, दुर्बल वर्ग के नागरिकों एवं बृद्धजनों, विधवा एवं निराश्रित महिलाओं तथा अनाथ बच्चों एवं अपंग/दिव्यांग व्यक्तियों के उत्थान/कल्याण हेतु केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाले सहयोग/अनुदान/ऋण आदि के माध्यम से जैन समाज (अल्पसंख्यक समाज) के लिए समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं को चलाना तथा उनको क्रियान्वित करना। जिससे ऐसे समस्त नागरिकों का समुचित उत्थान एवं विकास हो सके।

#### न्यास के धन सम्बन्धी कार्य एवं उसकी व्यवस्था

- 1- न्यास के द्वारा प्राप्त किये जाने वाले धन तथा व्यय होने वाले धन आदि का व्यावहारिक एवं वैधानिक रूप से हिसाब किताब रखने के उद्देश्य से सर्व प्रथम किसी राष्ट्रीय कृत बैंक में दो न्यासियों के नाम से खाता खोलना जिसमें प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी निश्चित रूप से होंगे और शेष तीन न्यासियों में से कोई भी एक न्यासी जिसको प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी

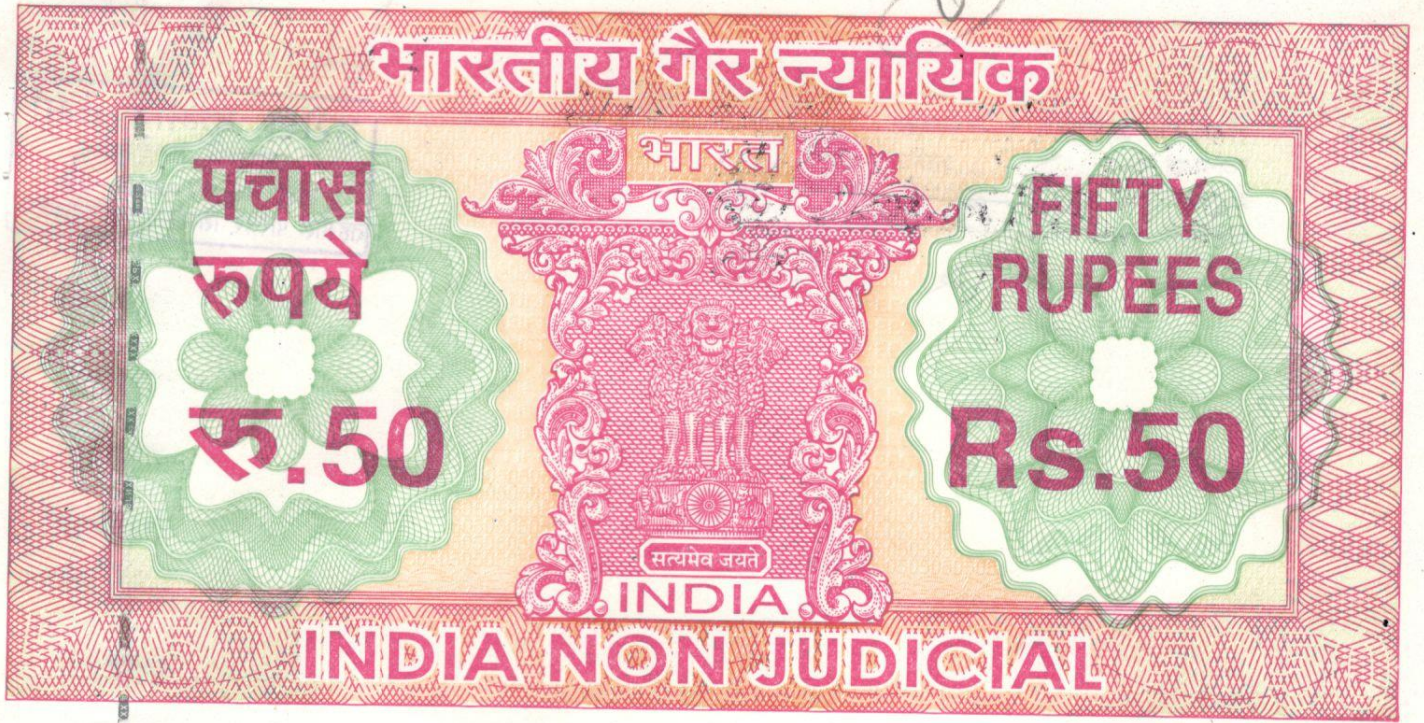
Deependra Kumar Jain





रीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816117

(5)

उचित समझे के साथ मिलकर खाता खोला जा सकेगा और न्यास का समस्त लेन देन का कार्य न्यास के उक्त खाते के माध्यम से ही दोनों न्यासियों द्वारा संयुक्त रूप से अथवा प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा तन्हा रूप से भी किया जा सकेगा। लेकिन प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी के बिना हस्ताक्षरों के कोई लेन-देन बैंक के किसी भी खाते से नहीं हो सकेगा।

- 2- संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थानों (बैंक आदि) अथवा निजी व्यक्तियों से ऋण प्राप्त करने के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों या अन्य से अनुदान/दान अथवा ऋण और उनसे समय-समय पर अन्य किसी भी प्रकार का सहयोग आदि प्राप्त करना।

उक्त न्यास में न्यास के न्यासियों की संख्या तथा उनकी नियुक्ति

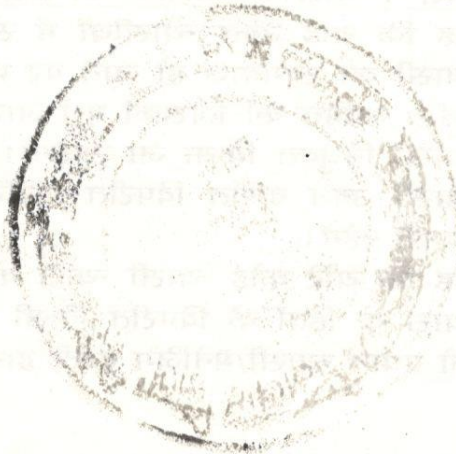
- 1- यह कि यदि उक्त न्यासीयों में से किसी के द्वारा त्यागपत्र देने या किसी न्यासी का स्वर्गवास हो जाने पर प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा किसी भी नवीन व्यक्ति को जिसकी पूर्ण आस्था न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति में हो, को न्यासी नियुक्त किया जा सकेगा। लेकिन इस न्यास पत्र में उल्लिखित चारों न्यासी उक्त वर्णित विपरीत परिस्थितियों के उत्पन्न न होने तक आजीवन न्यासी रहेंगे।
- 2- यह कि यदि कोई न्यासी न्यास के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य न करे अथवा न्यास के हितों के विपरीत किसी प्रकार का कोई कार्य करे तो ऐसे न्यासी को प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा हटाया जा सकेगा।

Deependra Kumar Jain

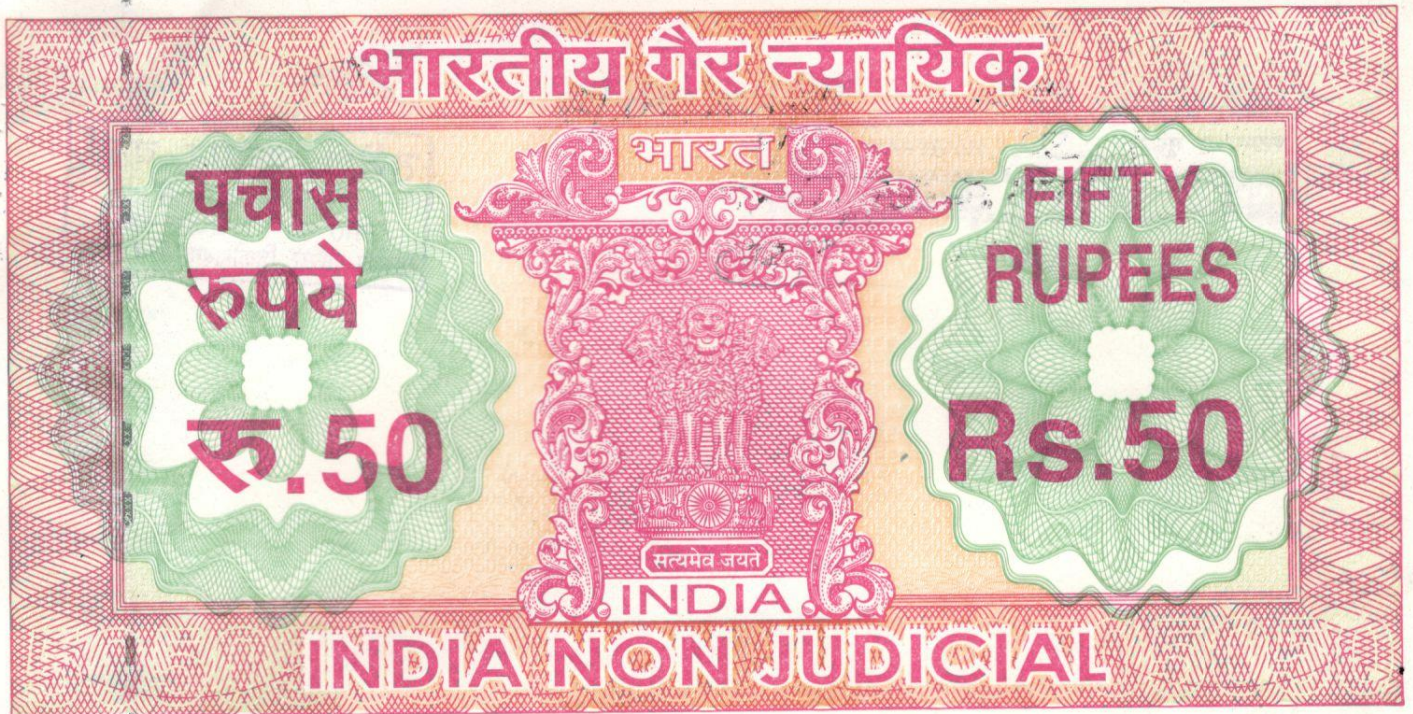


रजिस्टर का क्रमांक 175 दिनांक 12-2-2016  
स्टाम्प का मूल्य 50 शामिल नम्बर 171  
प्रेस का नाम श्री प्रेम कुमार जैन  
पुनः कित 12 750

ठरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816118

(6)

- 3- यह कि यदि प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा किन्हीं कारणों से पद त्याग किये जाने अथवा निधन/आकस्मिक निधन होने पर उसके स्थान पर वर्तमान प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी का ही उत्तराधिकारी मुख्य न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी होगा या उसके द्वारा नामित कोई उत्तराधिकारी ही मुख्य न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी होगा यानी मुख्य न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी का उत्तराधिकारी ही भविष्य में मुख्य न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी पीढ़ी दर पीढ़ी होगा। उसके उत्तराधिकारियों से बाहर का कोई न्यासी प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी नहीं बन सकेगा।
- 4- यह कि न्यास के न्यासियों के अतिरिक्त न्यास के सफल संचालन हेतु किसी भी प्रतिष्ठित एवं सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले किसी भी महानुभाव को विशेष आमंत्रित के रूप में न्यास के सफल संचालन हेतु आमंत्रित किया जा सकेगा। लेकिन ऐसे विशेष आमंत्रित व्यक्ति को न्यास की किसी मीटिंग में बोट देने का अधिकार न होगा।

#### न्यास तथा न्यास की सम्पत्तियों का प्रबन्धन

- 1- न्यास के प्रबन्धन एवं नियन्त्रण का पूर्ण अधिकार न्यासियों में निहित होगा और न्यासियों को न्यास के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिये आवश्यकीय सम्पत्ति समय-समय पर प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी के माध्यम से क्रय करने अथवा किराया/लीज पर लेने का अधिकार होगा। अन्य किसी न्यासी को न्यास के नाम से सम्पत्ति क्रय करने आदि का अधिकार न होगा।

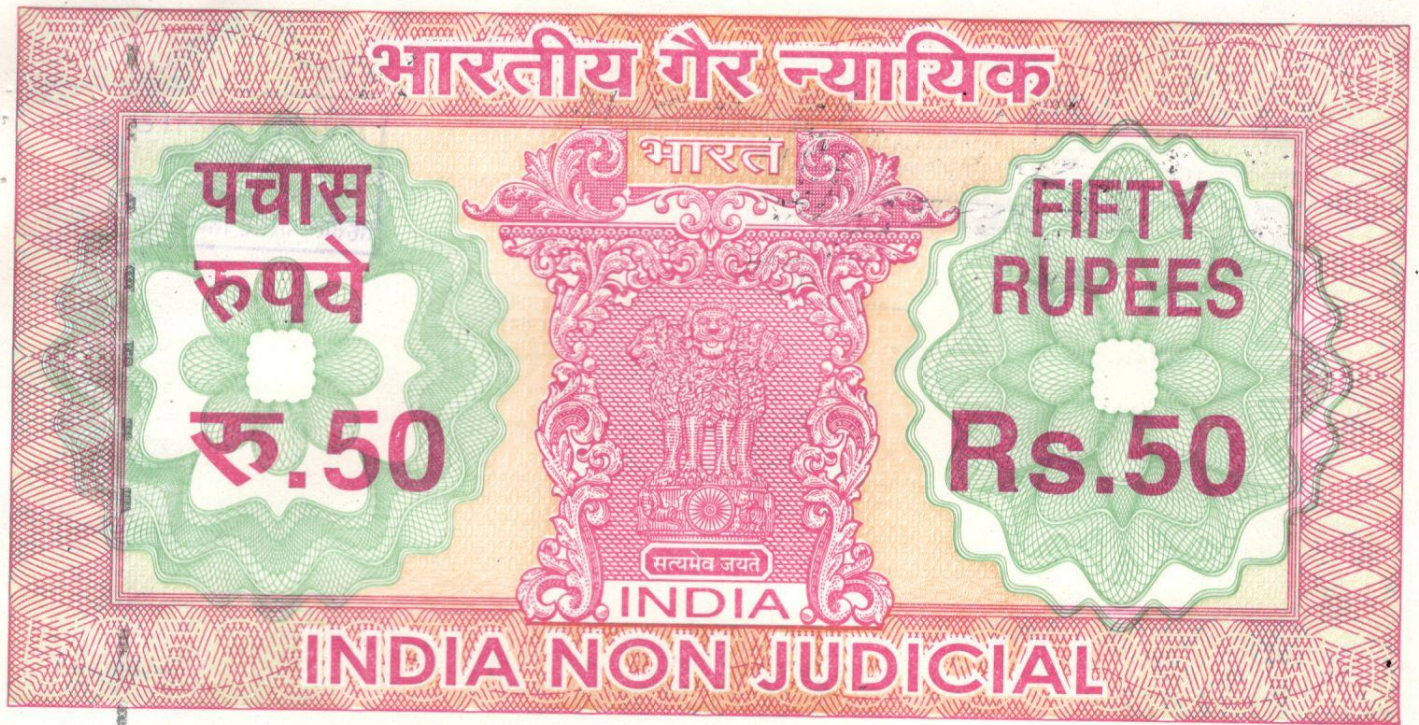
*Deependra Kumar Jain*





हरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816119

(7)

- 2- यह कि भविष्य में न्यास के पास किसी भी प्रकार की कोई अचल सम्पत्ति प्राप्त हो तो ऐसी अचल सम्पत्ति को न्यास के उद्देश्यों के अनुरूप उसमें निर्माण कार्य कराने अथवा ऐसी अचल सम्पत्ति जो कि न्यास के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सहायक न हो तो ऐसी सम्पत्ति को विक्री करने का पूर्ण अधिकार प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी को होगा और किसी सम्पत्ति को क्रय अथवा बिक्रय करने की जानकारी समस्त न्यासियों को देंगे।
- 3- यह कि यदि न्यास के पास भविष्य में कोई धन किसी प्रकार से प्राप्त हो और उसका उपयोग न्यास के कार्यों में होने के उपरान्त शेष रहे तो ऐसा सभी धन किसी सरकारी जमा योजना अथवा ऐसे धन का उपयोग अचल सम्पत्ति क्रय करने अथवा निर्माण कराने में किया जावेगा। लेकिन ऐसे सभी कार्यों से न्यास की बैठक में अन्य न्यासियों को अवगत कराया जावेगा और प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी की सहमति के आधार पर ही समस्त निर्णय कार्यान्वित किये जावेंगे।
- 4- यह कि न्यास के समुचित प्रबन्ध एवं आय व्यय पर विचार करने के लिये प्रमुख न्यासी द्वारा समय-समय पर न्यास की मीटिंग बुलायी जावेगी और वर्ष में कम से कम चार मीटिंग न्यास की होगी। जिससे न्यास का सम्पूर्ण कार्य भली प्रकार समस्त न्यासियों की पूर्ण जानकारी में हो।
- 5- यह कि न्यास की किसी भी मीटिंग में प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी तथा कम से कम अन्य दो न्यासियों का मीटिंग में मौजूद रहना, मीटिंग की गणपूर्ति के

Deependra Kumar Jain

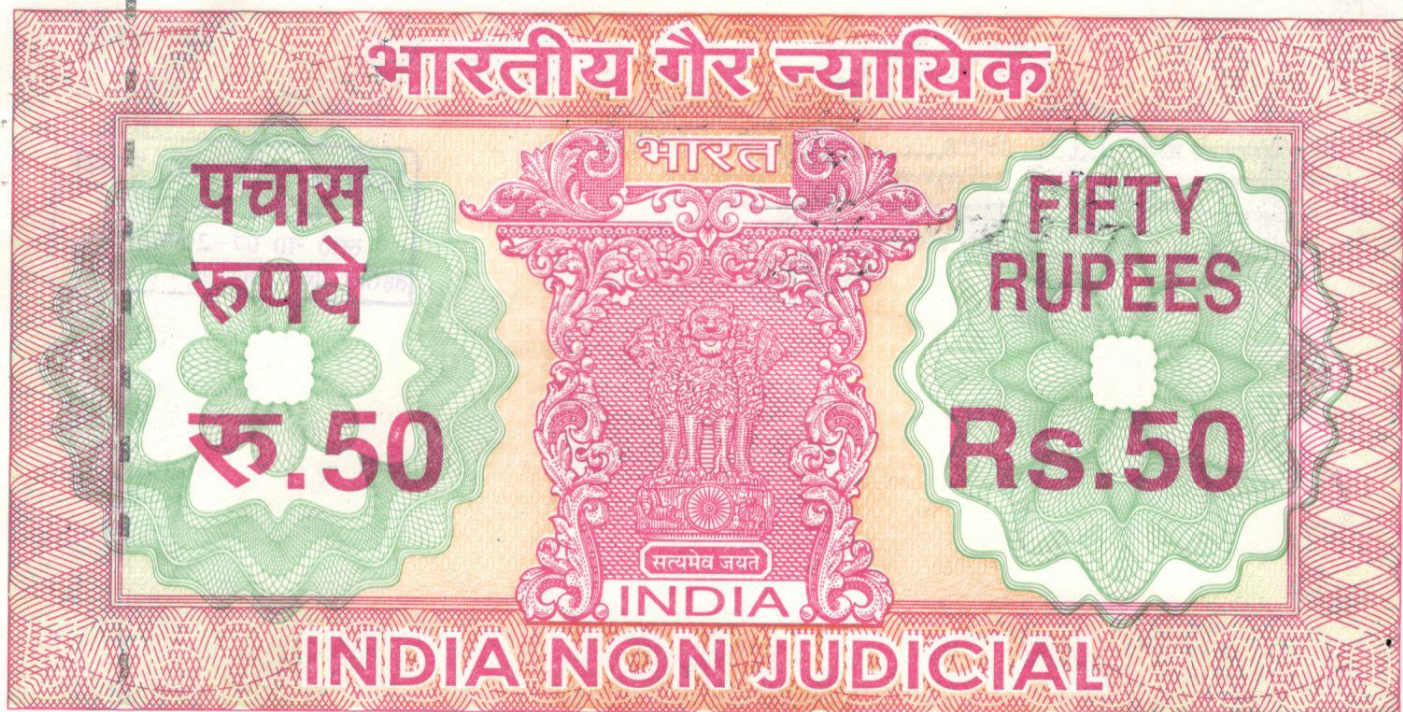


रजिस्टर का क्रमांक 177 दिनांक 12/02/2016  
 स्टाम्प का मूल्य 50 शामिल संख्या 171  
 ग्रेटर का नाम श्री प्रेम कुमार ठाकुर  
 पृष्ठ संख्या 12 750

हरीश कुमार वर्मा  
 स्टाम्प विक्रेता  
 ला0 न0 07-2008-09  
 तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816120

(8)

लिये आवश्यक है। समस्त मीटिंग की कार्यवाही प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी द्वारा मिनिट बुक में लिखी जावेगी। जिससे प्रत्येक मीटिंग तथा उसमें लिये गये निर्णय का पालन किया जाना सुनिश्चित हो सके।

6- न्यास की सम्पत्ति या न्यास के सम्बन्ध में किसी प्रकार का कोई अदालती विवाद उत्पन्न हो अथवा न्यास एवं न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु किसी सरकारी कार्यालय या स्थानीय निकाय में किसी प्रकार की कार्यवाही करना आवश्यक हो या किसी न्यायालय में वाद योजित करना पड़े अथवा न्यास के विरुद्ध वाद योजित होने पर उसको चलाने एवं डिफेन्ड करने का अधिकार प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी अथवा उसके द्वारा नामित किसी अन्य न्यासी या किसी भी अन्य सक्षम व्यक्ति को विधि विधान के अनुसार नियुक्त किया जा सकेगा। ऐसे सभी विवादों में होने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में शेष न्यासियों को न्यास की अगली मीटिंग में अवगत कराया जावेगा।

7- यह कि न्यायालय में लम्बित वाद को वापस लेने या उनमें संधि करने तथा ऐसे सभी वादों में अधिवक्ता नियुक्त करने या किसी भी आदेश/निर्णय के विरुद्ध अपील/ रिवीजन/रिट योजित करने का अधिकार केवल प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी को होगा।

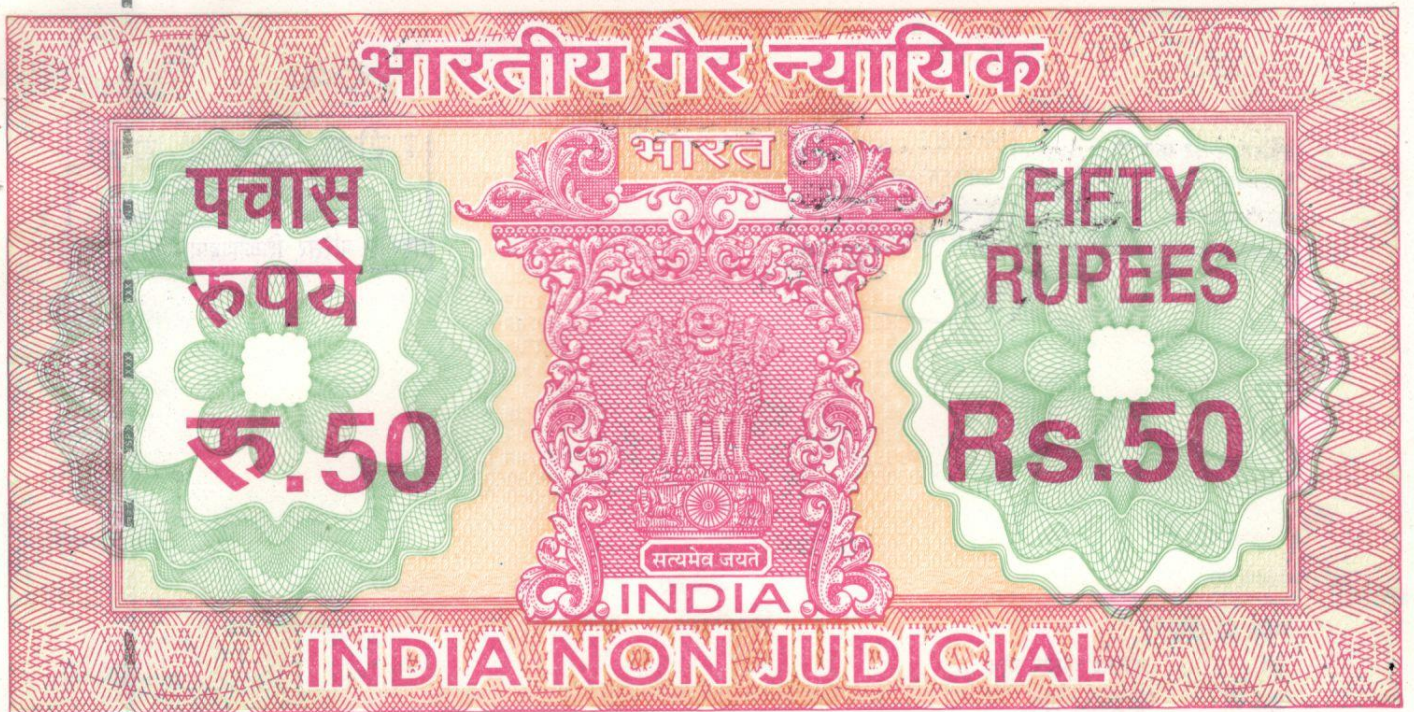
Deependra Kumar Jain



हरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816122

(9)

न्यासियों के अधिकार एवं कर्तव्य

- 1- यह कि प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी न्यास के धन का समुचित प्रबन्ध करेगा तथा उससे होने वाली आय, लाभ एवं व्याज को प्राप्त करके न्यास के उद्देश्यों में होने वाले व्यय तथा न्यास की देन दारियों का भुगतान करेगा। ऐसे सभी कार्यों के लिये प्रधान न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी किसी भी अन्य न्यासी को अधिकृत कर सकता है। इसके लिये न्यास की बैठक या कोई प्रस्ताव पारित करने की आवश्यकता न होगी।
- 2- यह कि प्रधान न्यासी द्वारा किसी भी बैंक में खाता खोला जा सकेगा और न्यास के धन से समुचित लाभ प्राप्त करने के लिये धन को बैंक/पोस्ट ऑफिस की सावधि जमा योजना जिसमें अधिक से अधिक व्याज मिलती हो, में जमा कराया जावेगा और बैंक/पोस्ट ऑफिस में खाता खोलने या सावधि में धन जमा कराने के लिये न्यास से कोई प्रस्ताव पारित कराने की आवश्यकता न होगी।
- 3- यह कि न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये न्यासियों में से कोई भी न्यासी किसी भी भारतीय या भारत से बाहर रहने वाले व्यक्ति से स्वेच्छा पूर्वक दिया गया दान/उपहार अथवा मासिक या वार्षिक अंश दान न्यास के लिये प्राप्त कर सकेगा और ऐसे सभी दान बैंक के माध्यम से अथवा चैक या ड्राफ्ट द्वारा प्राप्त करने के साथ-साथ नगद भी रसीद द्वारा प्राप्त किये जा सकेंगे।

Deependra Kumar Jain





रजिस्टर का क्रमांक 177 दिनांक 18-02-2016  
स्टाम्प का मूल्य 50 शामिल नम्बर 171  
पेशा का नाम दीपेन्द्र कुमार जैन  
पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन  
12 750

रश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

यास पत्र

10,000.00

200.00

80

280.00

24

न्यास की राशि

फीस रजिस्ट्री

नकल व प्रति शुल्क

योग

पृष्ठों की संख्या

श्री दीपेन्द्र कुमार जैन

पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन

व्यवसाय व्यापार

निवासी स्थायी नि0 811 मौहम्मद माह निकट बड़ा डाकखाना शिको0

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 16/2/2016 समय 11:19AM

बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सुनील कुमार  
उपनिबन्धक शिकोहाबाद

फिरोजाबाद

16/2/2016

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून

न्यासी

श्री दीपेन्द्र कुमार जैन

पुत्र श्री इन्द्रध्वज जैन

पेशा व्यापार

निवासी नि0 811 मौहम्मद माह निकट बड़ा  
डाकखाना शिको0

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान विकास जैन

हरिकेश बाबू जैन

पेशा अन्य

निवासी नि0 मौ0 मीरखलील जैन स्ट्रीट शिको0

व

गौरव जैन

कुमकेश कुमार जैन

पेशा अन्य

निवासी नि0 मौ0 मीरखलील जैन स्ट्रीट शिको0

ने की।

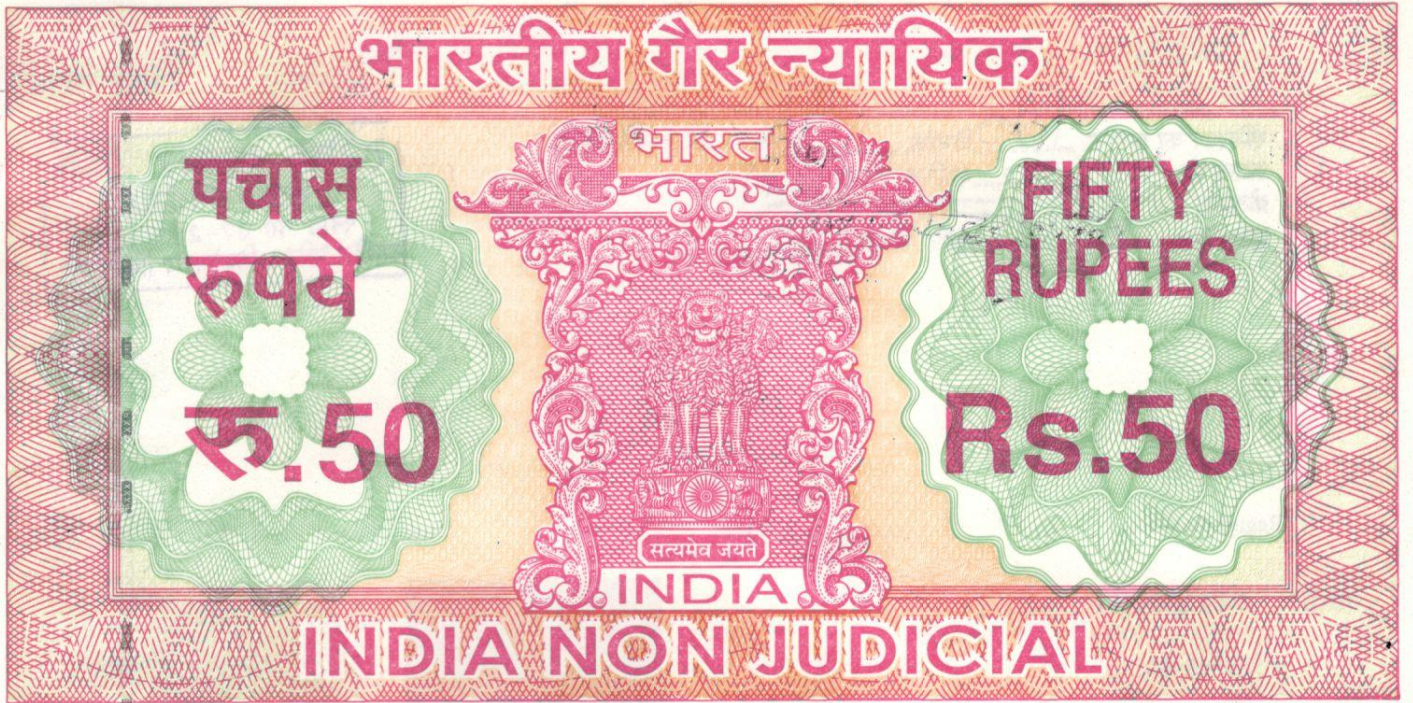
प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं।

दीपेन्द्र पहचान पत्र सं0 UP/72/389/435271

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सुनील कुमार  
उपनिबन्धक शिकोहाबाद  
फिरोजाबाद





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816123

(10)

- 4- यह कि न्यास के व्यय से सम्बन्धित समस्त बिल वाउचर एवं आमदनी आदि का हिसाब किताब प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी रखेगा और प्रत्येक वर्ष ऐसे सभी आय व्यय के लेखा जोखा का ऑडिट किसी सुयोग्य चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट से कराकर और चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा तैयार रिपोर्ट व बैलेंस शीट आदि को समस्त न्यासियों के अवलोकनार्थ न्यास की बैठक में रखेगा।
- 5- न्यास की सभी आय/फण्ड आदि आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रयोग में लाये जावेंगे।

यदि न्यास की स्थापना जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये की गयी है और किन्हीं कारणों से न्यास के उद्देश्य असफल हो जाते हैं तो ऐसी सूरत में न्यास की सम्पूर्ण सम्पत्तियां न्यास के प्रमुख न्यासी/मैनेजिंग ट्रस्टी में निहित हो जावेंगी।

अतः यह न्यास पत्र अपनी स्वस्थ मानसिक अवस्था में बिना किसी भय व दबाव के निष्पादित कर दिया ताकि सनद रहे व समय पर काम आवे।

Deependra Kumar Jain





रजिस्टर का क्रमांक 180 दिनांक 12-2-2016  
 स्टाम्प का मूल्य 50 शामिल नम्बर 171  
 धोखा का नाम दीपेन्द्र कुमार जैन  
 पता 12 न 50

हरीश कुमार वर्मा  
 स्टाम्प विक्रेता  
 ला 10 न 07-2008-09  
 तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरो)

### न्यासी

Registration No.:

7

Year :

2,016

Book No. :

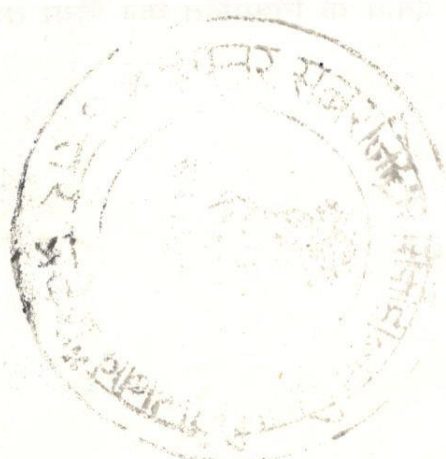
4

0101 दीपेन्द्र कुमार जैन

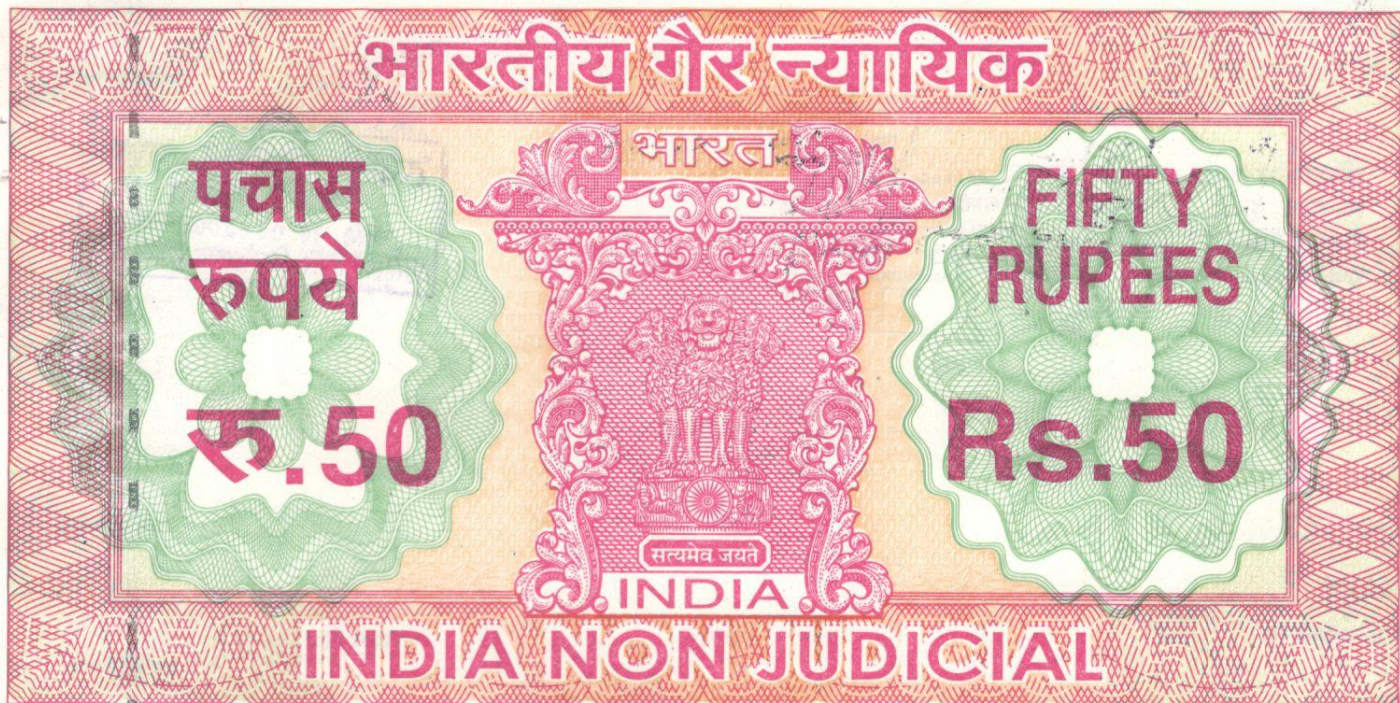
इन्द्रध्वज जैन

नि 0 811 मौहम्मद माह निकट बडा डाकखाना शिको 0

व्यापार







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816124

(11)

तहरीर तारीख 15-02-2016ई0 गवाहन की शिनाख्त पर फोटो प्रमाणितकर्ता व मसौदाकर्ता- शिवनाथ अग्रवाल, एडवोकेट, तहसील शिकोहाबाद।

न्यासियों के स्वीकृति के हस्ताक्षर

1- श्रीमती नेहा जैन

नेहा जैन



Shri Nath Agrawal  
Advocate  
SARSIL SHIKOHABAD

2- इन्द्रध्वज जैन

Indra Dhruv Jain



3- योगेश कुमार जैन

Yogesh Kumar Jain



Yogesh Kumar Jain

Deependra Kumar Jain





रजिस्टर का क्रमांक 181 दिनांक 12-02-2016  
 स्टाम्प का मूल्य 50 शतिका नम्बर 171  
 प्रेस का नाम दीपे कुमार जैन  
 कुल कितने 12 750

हरीश कुमार वर्मा  
 सीएम विजेता  
 लॉट नं० 07-2008-09  
 तहसील बरिसर, शिकोली (मिर्जापुर)

गवाह

Registration No.:

7

Year :

2016

Book No. :

4

W1 विकास जैन

हरिकेश बाबू जैन

नि० मौ० मीरखलील जैन स्ट्रीट शिको०

अन्य



W2 गौरव जैन

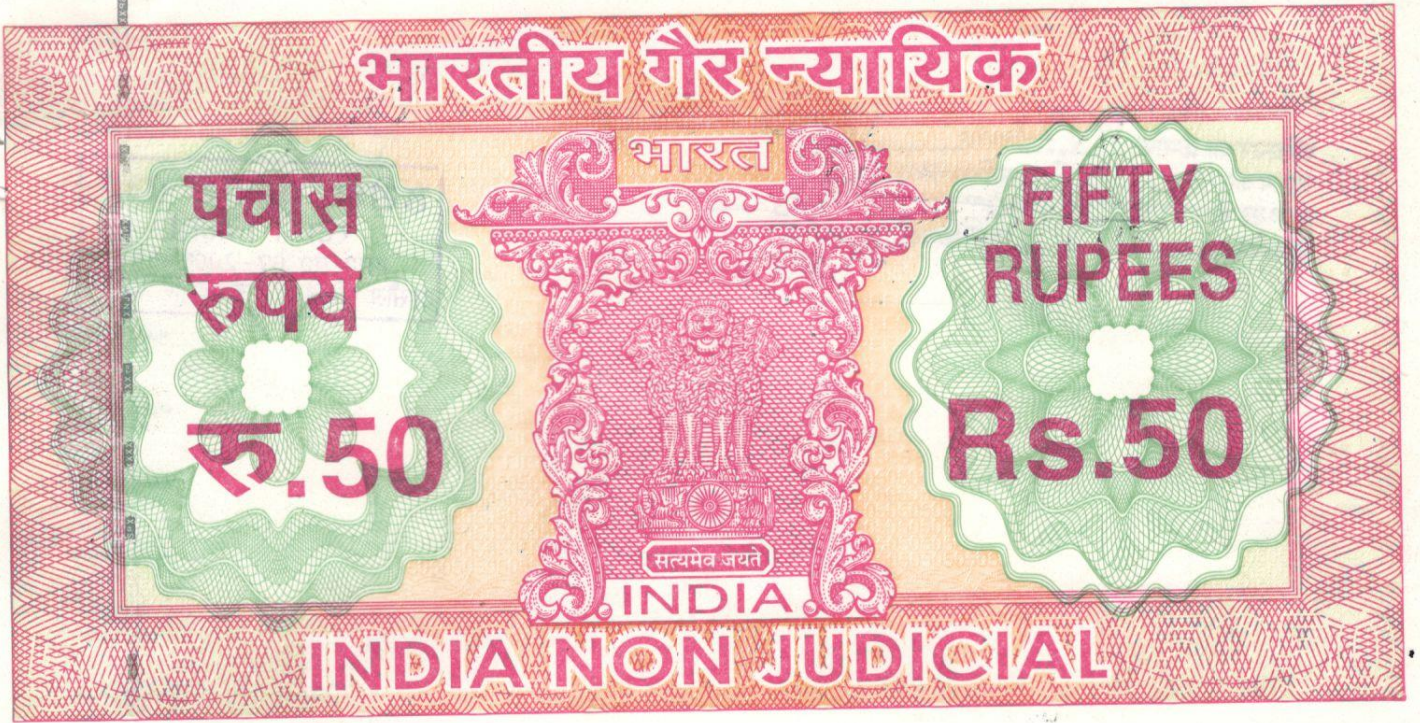
कुमकेश कुमार जैन

नि० मौ० मीरखलील जैन स्ट्रीट शिको०

अन्य







उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AX 816125

(12)

साक्षी- विकास जैन पुत्र श्री हरिकेश बाबू जैन  
निवासी- मुहल्ला मीरखलील (जैन स्ट्रीट)  
शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)  
आधार नं०- 216526428694  
मो०नं०- 9634847583

*K. Jain*



साक्षी- गौरव जैन पुत्र श्री कुमकेश कुमार जैन  
निवासी- मुहल्ला मीरखलील (जैन स्ट्रीट)  
शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)  
आधार नं०- 583286083515  
मो०नं०- 8923655826

*Gaurav Jain*



*Deependra Kumar Jain*





रजिस्टर का क्रमांक 102 दिनांक 12/02/2016  
स्टाम्प का मूल्य 50  
क्रय का नाम श्री प्रदीप कुमार  
क्रय की राशि 12 750

हरीश कुमार वर्मा  
स्टाम्प विक्रेता  
ला0 न0 07-2008-09  
तहसील परिसर, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

आज दिनांक 16/02/2016 को  
वही सं. 4 जिल्द सं. 28  
पृष्ठ सं. 41 से 64 पर क्रमांक 7  
रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

सुनील कुमार  
उपनिबन्धक शिकोहाबाद  
फिरोजाबाद  
16/2/2016

